□□□□ □□□□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□ज□ □□□

अतारांकित प्रश्न □ख□□: 272

19 □□□□□, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न □□ □त□□**

□□-स्थापित एम्स म सर्किट फैकल्टी प्रणाली

272. **श्री** □□□ □□□ □□□□□□

क□□ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ि□□

(□) क्या सरकार देश के विभिन्न भागों म स्थापित एम्स को पूर्णतया क्रियाशील बनाने के लिए सर्किट फैकल्टी प्रणाली को अपनाने पर विचार □□□□;

(□) क्या यह सच है कि विभिन्न एम्स का स□□□□□ □□ □□□□□□ दिल्ली एम्स पर बोझ म □□□ कमी नहीं आई है क्योंकि बाकी एम्स म वैसी □ □□□□□□ □□□□□□□□□□□ब□ □□ों□□□ □□□ ि□ दिल्ली एम्स म है; □ □

(□) □ि□ □□,□ तो क्या सरकार दिल्ली एम्स को छोड़कर शेष एम्स को विश्वसनीयता प्रदान करने हेतु सर्किट फैकल्टी स्कीम को अपना □□ □□□ समय के लिए दिल्ली एम्स की फैकल्टी को विभिन्न एक्स में भेजने पर विचार करेगी?

□त□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज□ □त्री□ (श्री □□शे□□□ □□□□□ □□□)□

(□), (ख) और (ग): वर्तमान में नए एम्स में सर्किट फैकल्टी प्रणाली का कोई प्रावधान नहीं है।

□: □□ □म□ 1830 स□□□□□ □□□□ल□ी □□ों, 1962 □ि□ष□ □□□□ □□ों □ □ 1806 □ि□ष□ □□□□ डॉक्टरों के पदों के विरूद्ध क्रमश: 1018 कुल फैकल्टी □□ों, 1266 □ि□ष□ □□□□ □□ों □ □ 1378 □ि□ष□ □□□□ डॉक्टरों को जनशक्ति के साथ प्रचालनरत है।

□□□□□□□□□□ □□ □स□तालों में अतिरिक्त सेवाओं और सम्मिलित किए जाने □ी □□□□□ □□□ी सुविधाओं को ध्या□ में रखते हुए विभिन्न पदों की भर्ती चरणबद्ध रूप में आवश्य□□□ □□ □ □□□ □□ □ी □□ □□□

उपयुक्त □□□र्□क□ □म□ दिल्ली □□□ □□ □म□ □□र्□□ □□ □□□□ □ा □ृ□□□ □□□ □□ □□□ है। अपेक्षा के अनुरूप फैकल्टी □□ □न□ कमचारीगण नई सुविधाओं का स्था□□□ □ □□□□□□ □□□□ □१□□□□□□□ □□ □स□□□ □□□ □□□□ □□□□□□

□□□□ □□□ल्ी □□ □ि□□□ स□□□ □□□□□ □□ □म□ □□ □स□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ सभी रोगियों को □ि□□ □□□□ स्□स्थ्य □ि□□□□ □□□ब□ □□□□□□□ ि□ि□न□ विभागों म रोगी परिचया के लिए वरिष्ठ □□□□ डॉटों और कनिष्ठ □□□□ डॉटों का सेवाओं का भी उपयोग कर रहे ह।

□□□□□: □म□ □ □क□□□ 2019 □□□ □ □□□□ 3,91,900 □□□□ □□□□□ □ □□ □□ 18400 □□□□ □ □□□□□ □ □□ि □□□ □□□□□□□□□ ि□□□□□ कि पहले जो रोगी स्था□□□ □स□□□□ □ □□□□□ प्रा□प्□ □□ □□□□ □□□□ कोई उपचार नहीं ले रहे ह, रोगियों का पूरा न का जाने वाला □ □१□कताओं को अब पूरा किया जा रहा है। नए एम्स □□सृजन ने ऐसी आबादी को विशिष्□ उपचार तक बेहतर पहुँच प्रदान का है।

*****